



910441

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड /
Question Booklet No. & Barcodeअधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150**CAP-25**इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक
कहा न जाए। Do not open this Question
Booklet until you are asked to do so.

Paper Code : 16

Paper – II
Sub : Sanskrit-II

समय : 03:00 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*

Time : 03:00 Hours + 10 Minutes Extra*

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :

- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है। किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
• Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.

- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न केलिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाइटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है।
7. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिनमें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।
9. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।
10. * प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
11. यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा।
12. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्यापक) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. It is mandatory to fill one option for each question.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The OMR Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with Blue Ball Point Pen only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.
7. 1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer. A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.
9. If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.
10. * After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.
11. A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. साहित्यदर्पणे रूढौ लक्षणलक्षणासारोपायाः उदाहरणमस्ति -

- (1) अश्वः श्वेतो धावति
- (2) एते कुन्ताः प्रविशन्ति
- (3) कलिङ्गः पुरुषो युध्यते
- (4) राजासौ गच्छति
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. साहित्यदर्पणदिशा संयोगादिभिः सह समुचितं मेलनं कुरुत -

- | | |
|---------------|-----------------------|
| क. सामर्थ्यम् | i. भीमार्जुनौ |
| ख. साहचर्यम् | ii. स्थाणुं वन्दे |
| ग. व्यक्तिः | iii. मधुना मत्तः पिकः |
| घ. अर्थः | iv. भाति रथाङ्गम् |

- | | | | |
|---------|-----|----|-----|
| क | ख | ग | घ |
| (1) iv | ii | i | iii |
| (2) ii | i | iv | iii |
| (3) i | iii | ii | iv |
| (4) iii | i | iv | ii |
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. विश्वनाथमते रत्यादिवासनां विना को न जायते ?

- (1) विभावः
- (2) अनुभावः
- (3) आस्वादः
- (4) व्यभिचारिभावः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'ख्यातेतिवृत्त-स्वल्पस्त्रीजनसंयुतो गर्भविमर्शाभ्यां हीनो नरैर्बहुभिराश्रितः' इति लक्षणलक्षितो रूपकभेदो विश्वनाथदिशा कः ?

- (1) भाणः
- (2) व्यायोगः
- (3) समवकारः
- (4) डिमः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. इतिहासोद्भवं वृत्तमन्यद्वा सज्जनाश्रयम् । इति वर्णनं साहित्यदर्पणे कस्मिन् प्रसङ्गे वर्तते ?

- (1) नाटकलक्षणप्रसङ्गे
- (2) महाकाव्यलक्षणप्रसङ्गे
- (3) रसनिरूपणप्रसङ्गे
- (4) स्थायिभावनिरूपणप्रसङ्गे
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. सहृदयश्लाघ्यस्य काव्यात्मरूपे प्रतिष्ठितस्य ध्वनेः मुख्यतः कति भेदाः कृताः ?

- (1) पञ्च
- (2) द्वौ
- (3) सप्त
- (4) षड्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. ध्वनिविरोधिपक्षाणां त्रिषु वर्गेषु सम्मिलिताः न वर्तन्ते -

- (1) अभाववादिनः
- (2) भाक्तवादिनः
- (3) अभिहितान्वयवादिनः
- (4) अलक्षणीयतावादिनः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. ध्वन्यालोके 'विभाति लावण्यमिवाङ्गनासु' इत्यत्र लावण्य-पदस्य पर्यायार्थः वर्तते -

- (1) वाच्यार्थः
- (2) प्रसिद्धार्थः
- (3) प्रतीयमानार्थः
- (4) विशिष्टार्थः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. ध्वन्यालोकानुसारं "भ्रम धार्मिक विस्रब्धः स शुनकोऽद्य मारितस्तेन । गोदावरीनदीकूललतागहनवासिना दृप्तसिंहेन" ॥ इत्यत्र ध्वनेः प्रभेदोऽस्ति -

- (1) वाच्ये विधिरूपे प्रतिषेधरूपध्वनिः ।
- (2) वाच्ये प्रतिषेधरूपे विधिरूपध्वनिः ।
- (3) वाच्ये विधिरूपेऽनुभयरूपध्वनिः ।
- (4) वाच्ये प्रतिषेधरूपेऽनुभयरूपध्वनिः ।
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. "तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ" इत्यत्र 'तमर्थम्' इत्यनेन किं गृहीतम् ?

- (1) वाच्यार्थम्
- (2) लक्ष्यार्थम्
- (3) प्रतीयमानार्थम्
- (4) वाक्यार्थम्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. ध्वन्यालोके ध्वनिसंज्ञाविषये गुणवृत्तेः पर्यायः वर्तते -

- (1) अभिधा
- (2) लक्षणा
- (3) व्यञ्जना
- (4) मुख्यवृत्तिः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. 'व्रज ममैवैकस्या भवन्तु निःश्वासरोदितव्यानि ।
मा तवापि तया विना दाक्षिण्यहतस्य जनिषत ॥'
ध्वन्यालोकोपात्तेऽस्मिन् उदाहरणे प्रतीयमानार्थः कः ?
(1) वाच्ये प्रतिषेधरूपेऽनुभयरूपः
(2) वाच्ये विधिरूपेऽनुभयरूपः
(3) वाच्ये प्रतिषेधरूपे विधिरूपः
(4) लक्ष्ये प्रतिषेधरूपः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
13. 'सुवर्णपुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः ।
शूरश्च कृतविद्यश्च यश्च जानाति सेवितुम् ॥'
ध्वन्यालोकरीत्याऽत्र को ध्वनिः ?
(1) अविवक्षितवाच्यो ध्वनिः ।
(2) विवक्षितान्यपरवाच्यो ध्वनिः ।
(3) भाक्तो ध्वनिः ।
(4) प्रतीतपदार्थको ध्वनिः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
14. रामायणे सीता-त्रिजटासंवादः कस्मिन् काण्डे वर्तते ?
(1) अरण्यकाण्डे
(2) किष्किन्धाकाण्डे
(3) सुन्दरकाण्डे
(4) उत्तरकाण्डे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
15. उपोढरागेण विलोलतारकं, तथा गृहीतं शशिना निशामुखम् ।
यथा समस्तं तिमिरांशुकं तथा पुरोऽपि रागाद् गलितं न लक्षितम् ॥
इत्युदाहरणं प्रस्तुत्य आनन्दवर्धनेन कस्मिन् अलङ्कारे ध्वनेरन्तर्भावस्य निषेधः कृतः ?
(1) आक्षेपालङ्कारे (2) दीपकालङ्कारे
(3) अपहनुत्यलङ्कारे (4) समासोक्त्यलङ्कारे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. रामायणे क्रौञ्चमिथुनप्रसंगः बालकाण्डस्य कस्मिन् सर्गे अस्ति ?
(1) द्वादश-सर्गे (2) पञ्चविंश-सर्गे
(3) द्वितीये-सर्गे (4) प्रथमे-सर्गे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
17. एतेषु महाभारताश्रितं नाटकं नास्ति -
(1) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(2) वेणीसंहारम्
(3) पञ्चरात्रम्
(4) अभिषेकनाटकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
18. वाल्मीकिरामायणे वामनावताराख्यानं वर्णितमस्ति -
(1) बालकाण्डे (2) अयोध्याकाण्डे
(3) अरण्यकाण्डे (4) उत्तरकाण्डे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
19. अधोलिखितासु टीकासु वाल्मीकिरामायणस्य अहोबलरचिता टीका वर्तते -
(1) अमृतकटकटीका
(2) वाल्मीकिहृदयटीका
(3) वाल्मीकितात्पर्यतरणिटीका
(4) रामायणतत्त्वदीपिका
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः
20. यावत्स्थास्यन्ति गिरयः सरितश्च महीतले ।
तावद् रामायणकथा लोकेषु प्रचरिष्यति ॥
श्लोकोऽयं रामायणस्य कस्मिन् काण्डे मिलति ?
(1) उत्तरकाण्डे (2) बालकाण्डे
(3) अरण्यकाण्डे (4) किष्किन्धाकाण्डे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. महाभारते द्विजत्वस्य कारणं किमस्ति ?

- (1) वृत्तम् (2) जातिः
(3) कुलम् (4) दैवम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. उत्तराभिमन्युर्विवाहप्रसंगे महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि वर्णितः ?

- (1) उद्योगपर्वणि (2) विराट्-पर्वणि
(3) आदिपर्वणि (4) सौप्तिकपर्वणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. महाभारतस्य अङ्गीरसः वर्तते -

- (1) शान्तः (2) वीरः
(3) अद्भुतः (4) शृङ्गारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. महाभारतस्यान्तिमं पर्वं वर्तते -

- (1) महाप्रस्थानिकपर्व (2) स्वर्गारोहणपर्व
(3) भीष्मपर्व (4) अनुशासनपर्व
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. नैषधीयचरितस्य उपजीव्यग्रन्थः कोऽस्ति ?

- (1) महाभारतम् (2) महावीरचरितम्
(3) रामायणम् (4) दूतांगदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. महाभारतस्य 'शतसाहस्रीसंहिता' इति नामोल्लेखः प्राप्यते -

- (1) गुप्तकालीनशिलालेखे
(2) चोलकालीनशिलालेखे
(3) चालुक्यकालीनशिलालेखे
(4) शुंगकालीनशिलालेखे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. अनापलिंग-कूस्कानि पुराणानि कतिसंख्यकानि ?

- (1) पञ्चसंख्यकानि (2) षड्संख्यकानि
(3) सप्तसंख्यकानि (4) नवसंख्यकानि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. 'दुर्गा सप्तशती' कस्मिन् पुराणे मिलति ?

- (1) श्रीमद्भागवतपुराणे
(2) भविष्यपुराणे
(3) स्कन्दपुराणे
(4) मार्कण्डेयपुराणे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. उड़ीसाप्रदेशे स्थितस्य कोणादित्यस्य (कोणार्कस्य) तीर्थस्य वर्णनं कस्मिन् पुराणे प्राप्यते ?

- (1) वराह-पुराणे (2) विष्णु-पुराणे
(3) वायु-पुराणे (4) ब्रह्म-पुराणे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. श्रीमद्भागवतपुराणे कति स्कन्धाः सन्ति ?

- (1) दश (2) द्वादश
(3) सप्त (4) अष्टौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. पुराण-साहित्यानुसारम् अष्टमं मन्वन्तर-नामधेयं किम् ?

- (1) रैवत - मन्वन्तरम्
(2) वैवस्वत - मन्वन्तरम्
(3) सावर्णि - मन्वन्तरम्
(4) उत्तम - मन्वन्तरम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. विष्णुपुराणस्य कस्मिन् अंशे सूर्य-चन्द्र-वंशयोरुत्पत्तिवर्णनं मिलति ?

- (1) प्रथमे (2) तृतीये
(3) चतुर्थे (4) द्वितीये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. कौटिल्यमते प्रत्यक्षपरोक्षानुमेया हि का ?

- (1) प्रतिभा (2) निपुणता
(3) राजवृत्तिः (4) धारणा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. संयतेन्द्रियत्वमनारम्भो निष्किञ्चनत्वं सङ्गत्यागो भैक्षमनेकत्रारण्यवासो बाह्याभ्यन्तरं च शौचमिति कस्य धर्मो निरूपितोऽर्थशास्त्रे ?

- (1) ब्रह्मचारिणः (2) गृहस्थिनः
(3) नृपस्य (4) परिव्राजकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. कौटिल्यमतानुसारं दण्डमूलाः विद्याः कति सन्ति ?

- (1) षड् (2) पञ्च
(3) चतस्रः (4) तिस्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. मन्त्रिपुरोहितसखः सामान्येषु - अधिकरणेषु स्थापयित्वा अमात्यान् कथं शोधयेत् ?

- (1) मन्त्रैः (2) उपधाभिः
(3) परीक्षाभिः (4) शास्त्रार्थैः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. मनुस्मृतौ आपः काः प्रोक्ताः ?

- (1) नाराः (2) स्वराः
(3) नारायणाः (4) ब्राह्मणाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. कौटिल्यमते आन्वीक्षिकी विद्या अस्ति -

- (1) नयानयौ
(2) अर्थानर्थौ
(3) धर्माधर्मौ
(4) सांख्यं योगो लोकायतं च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. मनुरीत्या महीपतिः अरिपुरं कदा यायात् ?

- (1) कार्तिके, वैशाखे वा
(2) आषाढे, भाद्रपदे वा
(3) ज्येष्ठे, श्रावणे, माघे वा
(4) मार्गशीर्षे, फाल्गुने, चैत्रे वा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. याज्ञवल्क्यमते यः न्यूनाङ्गेन्द्रियरोगिणां क्षेपं करोति सः कतिपणैः दण्ड्यः ?

- (1) अर्धत्रयोदशपणैः (2) अर्द्धद्वादशपणैः
(3) द्वादशपणैः (4) त्रयोदशपणैः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. गृहे प्रच्छन्न उत्पन्नः पुत्रः क उच्यते याज्ञवल्क्यमते ?

- (1) गूढजः (2) औरसः
(3) क्षेत्रज्ञः (4) कानीनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. याज्ञवल्क्यमते सीम्नो विवादे ज्ञातृचिह्नानाम् अभावे कः निर्णायकः प्रोक्तः ?

- (1) स्वयमेव (2) गोपः
(3) राजा (4) मन्त्री
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. वामतो दक्षिणं प्रति लिपिः लिख्यते स्म -

- (1) खरोष्ठीलिपिः (2) ब्राह्मीलिपिः
(3) अरमाईकलिपिः (4) अरबीलिपिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. मनुस्मृत्यनुसारं मौनात् किं विशिष्यते ?

- (1) तपः (2) धर्मः
(3) प्रज्ञानम् (4) सत्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः



45. खरोष्ठी लिपि: अरमाई लिपे: समुद्भूता इति मतं कः न स्वीकरोति ?

- (1) जी. बुह्लरः
- (2) गौरीशंकरहीराचन्द ओझा:
- (3) डॉ. डिरिंजरः
- (4) राजबली पाण्डेयः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. राजस्थाने अशोकस्य लघुशिलालेखः कुत्र प्राप्यते ?

- (1) जालौर - नगरे (2) बैराट - स्थाने
- (3) भरतपुर - नगरे (4) अलवर - नगरे
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. अशोकस्य शिलालेखेषु कस्मिन् लघुशिलालेखे 'प्रियदर्शी अशोक' इति नामोल्लेखः प्राप्यते ?

- (1) सहसरामशिलालेखे
- (2) सिद्धपुरीशिलालेखे
- (3) भाबुशिलालेखे
- (4) मास्कीशिलालेखे
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. खरोष्ठी - लिप्यां कति वर्णा भवन्ति ?

- (1) द्वाविंशतिवर्णाः (2) पञ्चत्रिंशद्वर्णाः
- (3) पञ्चविंशतिवर्णाः (4) सप्तत्रिंशद्वर्णाः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. 'प्रजा ते न भविष्यति' इति राजानं दिलीपं का शशाप ?

- (1) अरुन्धती (2) नन्दिनी
- (3) मन्दाकिनी (4) कामधेनुः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. 'चित्रप्रतीकैः ब्राह्मीलिप्याः विकासः संजातः' इति कः मन्यते ?

- (1) जॉनडासनः
- (2) ए. कनिंघमः
- (3) राजबली पाण्डेयः
- (4) गौरीशंकरहीराचन्द ओझा:
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. अधोलिखितासु का नाम सूक्तिः "किरातार्जुनीयम्" इत्यस्य महाकाव्यस्य नास्ति ?

- (1) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ।
- (2) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।
- (3) अमर्षशून्येन जनस्य जन्तुना न जातहार्देन न विद्विषादरः ।
- (4) महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः ।
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. शिशुपालवधानुसारेण देवर्षिर्नारदः कस्य सन्देशं नीत्वा उपेन्द्रस्य समीपम् आगतः ?

- (1) उद्धवस्य (2) भीष्मस्य
- (3) सूर्यस्य (4) इन्द्रस्य
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. नैषधमहाकाव्ये निम्नलिखितेषु देवेषु नलस्य रूपधारकः देवः नास्ति -

- (1) मरुत् (2) इन्द्रः
- (3) अग्निः (4) वरुणः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. बुद्धचरितस्य अंगी रसः कः ?

- (1) करुणः (2) शान्तः
- (3) अद्भुतः (4) वीरः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. दशकुमारचरितानुसारं नास्ति समीचीनम् -

- (1) राजहंसस्य भार्या वसुमती
- (2) राजवाहनस्य प्रिया अवन्तिसुन्दरी
- (3) चण्डवर्मणः भगिनी अवन्तिसुन्दरी
- (4) मगधनरेशस्य मित्रं मानसारः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. मेघदूते वर्णितस्य दशार्णप्रदेशस्य राजधानी का आसीत् ?

- (1) उज्जयिनी (2) अलकापुरी
- (3) विदिशा (4) विदर्भा
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. राजा शूद्रकः अव्यवहितपूर्वजन्मनि आसीत् -
 (1) शुकनासपुत्रो वैशम्पायनः
 (2) चन्द्रापीडः
 (3) श्वेतकेतुः
 (4) पुण्डरीकः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. स्वप्नवासवदत्ते भरतवाक्यं केन उक्तम् ?
 (1) उदयनेन (2) वासवदत्तया
 (3) यौगन्धरायणेन (4) पद्मावत्या
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. मृच्छकटिके विदूषकस्य नाम किं वर्तते ?
 (1) अनन्तकः (2) माहव्यः
 (3) मैत्रेयः (4) वसन्तकः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. 'अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम्'
 अभिज्ञानशाकुन्तले कस्येयमुक्तिः ?
 (1) शार्ङ्गरवस्य (2) शारद्वतस्य
 (3) वैखानसस्य (4) कण्वस्य
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. अधोलिखितेषु कस्मिन्नाटके "गर्भनाटकं" प्राप्यते ?
 (1) मुद्राराक्षसे (2) मृच्छकटिके
 (3) उत्तररामचरिते (4) स्वप्नवासवदत्ते
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. मुद्राराक्षसानुसारं चन्द्रगुप्तस्य वधार्थं राक्षसेन
 प्रेषितया विषकन्यया चाणक्यः कं घातयति ?
 (1) पर्वतकम् (2) भागुरायणम्
 (3) मलयकेतुम् (4) चन्दनदासम्
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. हर्षचरितस्य कस्मिन्नुच्छ्वासे हर्षवर्धनस्य दिग्विजयो
 वर्णितः ?
 (1) चतुर्थोच्छ्वासे (2) षष्ठोच्छ्वासे
 (3) सप्तमोच्छ्वासे (4) पञ्चमोच्छ्वासे
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. नलचम्पूकाव्यस्य प्रत्युच्छ्वासम् अन्तिमपद्ये
 कविना किं पदं प्रयुक्तम् ?

- (1) भरतवाक्यम् (2) हरचरणसरोजम्
 (3) श्रीचरणम् (4) गुरुचरणसरोजम्
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. नलचम्पूरित्यस्य चम्पूकाव्यस्य विषये असत्यकथनं
 किं वर्तते ?

- (1) एतत्काव्यं सप्तसु उच्छ्वासेषु विभक्तं वर्तते ।
 (2) अस्मिन् काव्ये नलस्य दमयन्त्याश्च
 प्रणयकथा वर्णिता वर्तते ।
 (3) ग्रन्थोऽयमपूर्णो वर्तते ।
 (4) ग्रन्थेऽस्मिन् श्लेषालङ्कारस्य प्रयोगो न विहितः ।
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. "मुद्राराक्षसम्" इत्यस्य नाटकस्य विषयेऽसत्यकथनं
 किं वर्तते ?

- (1) एतस्य कथावस्तु ऐतिहासिकं वर्तते ।
 (2) एतन्नाटकं मौर्यकालसम्बन्धि वर्तते ।
 (3) मुद्रया राक्षसो वशीकृतोऽतोऽस्य नाटकस्य
 नाम मुद्राराक्षसम् इति ।
 (4) 'मुद्राराक्षसम्' शूद्रकविरचितं नाटकमस्ति ।
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. रघुवंशमहाकाव्यमधिकृत्य असत्यकथनं चिनुत -

- (1) अस्य दशमे सर्गे दशरथस्य पुत्रेष्टियज्ञः
 वर्णितः ।
 (2) दिलीपस्य गोसेवावर्णनं द्वितीये सर्गे प्राप्यते ।
 (3) अस्य मूलं स्रोतः वाल्मीकिरामायणं वर्तते ।
 (4) चतुर्थे सर्गे रघोः जन्म वर्णितं वर्तते ।
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. निम्नलिखितेषु 'कवेर्मृगराजलक्ष्मणः' इत्युपाधिना
 कः कविः विभूषितोऽस्ति ?

- (1) कालिदासः (2) भारविः
 (3) भासः (4) भट्टनारायणः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. अभिज्ञानशाकुन्तले 'न खलु धीमतां कश्चिदविषयो नाम' इति कथनस्य वक्ता वर्तते -

- (1) काश्यपः (2) शाङ्गरवः
(3) शारद्वतः (4) ऋषिकुमारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. "अस्यामहं त्वयि च सम्प्रति वीतचिन्तः" इति अभिज्ञानशाकुन्तलश्लोके "अस्याम्" इति पदेन का निर्दिष्टा वर्तते ?

- (1) मृगवधूः (2) नलिनी
(3) नवमालिका (4) चन्दनलता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. अभिज्ञानशाकुन्तले 'शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः' इति केन भाषितम् ?

- (1) प्रियंवदा - भाषितम्
(2) अनसूया - भाषितम्
(3) आकाश - भाषितम्
(4) गौतमी - भाषितम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. "धूमोपरुद्धदृष्टेरपि यजमानस्य पावकस्यैव मुखे आहुतिर्निपतिता" इति कस्योक्तिः प्रियंवदया श्राविता ?

- (1) हारीतस्य (2) शारद्वतस्य
(3) दुष्यन्तस्य (4) कण्वस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. राजा दिलीपः सर्वोन्नतेन आत्मना केन सदृशम् उर्वी क्रान्त्वा स्थितः ?

- (1) मेरुणा सदृशम्
(2) विन्ध्याचलेन सदृशम्
(3) हिमालयेन सदृशम्
(4) इन्दुना सदृशम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. मृच्छकटिके कति अङ्काः सन्ति ?

- (1) नव (2) अष्टौ
(3) दश (4) सप्त
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. रघुवंशे रामेण शातकर्णेः मुनेः कस्य सरोवरस्य उल्लेखः कृतः ?

- (1) क्रीडासरोवरस्य (2) पम्पासरोवरस्य
(3) पञ्चाप्सरसः (4) पुष्पसरोवरस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. 'अबिन्धनं वह्निमसौ बिभर्ति प्रह्लादनं-ज्योतिरजन्यनेन' अत्र असाविति पदेन कः बोध्यते ?

- (1) सागरः (2) कपिलः
(3) मेघः (4) पम्पासरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. रघुवंशस्य त्रयोदशसर्गानुसारं "यः अग्निं समिद्भिः सन्तर्प्य मन्त्रपूतां तनुमपि अहौषीत्" सः कः ?

- (1) जमदग्निः (2) विश्वामित्रः
(3) अत्रिमुनिः (4) शरभङ्गमुनिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. सुयोधनः दुरोदरच्छद्मजितां महीं केन जेतुं समीहते ?

- (1) नयेन (2) बलेन
(3) रणेन (4) वरेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. "कथं न मन्युर्ज्वलयत्युदीरितः शमीतरुं शुष्कमिवाग्निरुच्छिखः" किरातार्जुनीय-महाकाव्ये इदं वचनं केन कस्मै उक्तम् ?

- (1) द्रौपद्या भीमाय
(2) भीमेन युधिष्ठिराय
(3) द्रौपद्या युधिष्ठिराय
(4) अर्जुनेन द्रौपद्यै
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. 'प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः' सूक्तिरियं प्राप्यते -

- (1) रघुवंशस्य प्रथमसर्गे ।
(2) शिशुपालवधस्य प्रथमसर्गे ।
(3) रघुवंशस्य त्रयोदशसर्गे ।
(4) कुमारसम्भवस्य पञ्चमसर्गे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. "अथ क्षमामेव निरस्तविक्रमः चिराय पर्येषि सुखस्य साधनम्" इत्युक्तं चरणद्वयं प्रयुक्तमस्ति -

- (1) भीमेन (2) द्रौपद्या
(3) वनेचरेण (4) नकुलेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. "सदोपयोगेऽपि गुरुस्त्वमक्षयो निधिः श्रुतीनां धनसम्पदामिव" अत्र शिशुपालवधे "श्रुतीनां निधिः" कः कथितः ?

- (1) ब्रह्मा (2) कृष्णः
(3) इन्द्रः (4) नारदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. शिशुपालवधमहाकाव्यानुसारं सुमेलनं कुरुत -

- क. श्रुतिमण्डलः i. तन्त्री
ख. महती ii. स्वरारोहावरोह क्रमभेदः
ग. मूर्च्छना iii. स्वरः
घ. ग्रामः iv. स्वराणां सन्दोहः

- | | | | |
|---------|-----|-----|----|
| क | ख | ग | घ |
| (1) ii | iii | iv | i |
| (2) i | ii | iii | iv |
| (3) iv | ii | iii | i |
| (4) iii | i | ii | iv |

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. किरातार्जुनीये प्रयुक्तस्य 'स यौवराज्ये नवयौवनोद्धतं निधाय दुःशासनमिद्वशासनः ।' इत्यत्र इद्वशासनपदस्य अर्थोऽस्ति -

- (1) दुःशासनः (2) अप्रतिहताज्ञः
(3) नवयौवनोद्धतः (4) अधुरन्धरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. 'क्रमादमुं नारद इत्यवबोधि सः' प्रसङ्गेऽस्मिन् बोधनक्रियायाः समुचितः क्रमोऽस्ति -

- (1) चयः, शरीरी, पुमान्, नारदः
(2) शरीरी, पुमान्, नारदः, चयः
(3) पुमान्, शरीरी, चयः, नारदः
(4) नारदः, चयः, पुमान्, शरीरी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. कुमारसम्भवानुसारं सतां सङ्गतं कथमुच्यते ?

- (1) सत्कारविशेषम् (2) मानवर्धकम्
(3) साप्तपदीनम् (4) आरम्भगुर्वीकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. कुमारसम्भवे 'न कामवृत्तिर्वचनीयमीक्षते' इति कः वदति ?

- (1) शिवः (2) पार्वती
(3) इन्द्रः (4) सखी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. 'न केवलं यो महतोऽपभाषते शृणोति तस्मादपि यः स पापभाक्' कुमारसम्भवे पार्वत्या इयमुक्तिः कस्यै उक्ता ?

- (1) विनयायै (2) सख्यै
(3) मेनायै (4) रतये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. 'स तप्तकार्तस्वरभास्वराम्बरः कठोरताराधिपलाञ्छनच्छविः' अत्र 'स' इति पदेन उच्यते -

- (1) नारदमुनिः (2) श्रीकृष्णः
(3) नभः (4) जातवेदाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः



90. कादम्बर्या वर्णितानां राज्ञः शूद्रकस्य गुणानां मेलनं कुरुत -

क. दृशि	i.	वह्निना
ख. बले	ii.	श्रिया
ग. प्रतापे	iii.	मनसिजेन
घ. रूपे	iv.	मरुता

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iv	iii
(2)	ii	iv	i	iii
(3)	iii	ii	iv	i
(4)	iv	iii	ii	i
(5)	अनुत्तरितः प्रश्नः			

91. बाणभट्टेन 'गिरितनयेव स्थाणुसङ्गता मृगपतिसेविता च' अत्र गिरितनयया सह कस्याः तुलना कृता ?
 (1) चाण्डालकन्यायाः (2) विन्ध्याटव्याः
 (3) कादम्बर्याः (4) शबरसेनायाः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. 'तदेव धत्ते हृदयेन सज्जनो हरिर्महारत्नमिवातिनिर्मलम्' बाणभट्टकथनेऽत्र 'तत्' पदेन किमुच्यते ?
 (1) आत्मज्ञानम् (2) सम्मानम्
 (3) अपमानम् (4) सुभाषितम्
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. 'वनचरोऽपिकृतमहालयप्रवेशः, असंयतोऽपि मोक्षार्थी तदेव कमलसरः सिन्धुसुरपागमत्' अत्र कादम्बर्या सिन्धुसुः कः ?
 (1) हारीतः (2) जाबालिः
 (3) अगस्त्यः (4) दृढदस्युः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. 'तपः कृशामभ्युपपत्स्यते सर्षी वृषेव सीतां तदवग्रहक्षताम्' अत्र 'वृषा' शब्दस्यार्थो भवति -
 (1) वृषभः (2) इन्द्रः
 (3) वृषवाहनः (4) वृष्टिः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. 'मकारमहामेलकम्' इति ललितकथायाः लेखकोऽस्ति -

- (1) पण्डितविद्याधरशास्त्री
- (2) भट्टमथुरानाथशास्त्री
- (3) पण्डितनवलकिशोरकाङ्करः
- (4) पण्डितगणेशराय शर्मा
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. पं. गिरिधरशर्मचतुर्वेदिना रचिता कथाद्वयी वर्तते -
 (1) कश्चित्कविः श्रमसिद्धिश्च
 (2) पितुरुपदेशः स्नेहानुरोधश्च
 (3) प्रभवप्रबोधम् धूर्तपुरोहितश्च
 (4) कश्चित्कविः पितुरुपदेशश्च
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. अधोलिखितेषु कतमः ग्रन्थः गिरिधरशर्मचतुर्वेदिना विरचितः न वर्तते ?
 (1) पितुरुपदेशः
 (2) प्रमेयपारिजातः
 (3) वेदेषु पुराणमहत्त्वम्
 (4) पञ्चाङ्गतत्त्वम्
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. रचनारचनाकारयोः अनुचितं युग्मं चिनुत
 (1) साहित्यवैभवम् - भट्टमथुरानाथशास्त्री
 (2) कलिपलायनम् - गिरिधरचतुर्वेदी
 (3) भ्रातृस्नेहः - नवलकिशोरकाङ्करः
 (4) पुराणसमीक्षा - पं. मधुसूदन-ओझाः
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. अधोलिखितरचनासु पण्डित-मधुसूदन-ओझा-रचना वर्तते -
 (1) जयपुर - वैभवम् (2) राष्ट्रवेदः
 (3) इन्द्रविजयः (4) यात्राविलासम्
 (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. आशुकि-हरिशास्त्रि - दाधीचस्य रचना का ?

- (1) अलंकारकौतुकम्
- (2) गणेश - शतकम्
- (3) दशकण्ठवधम्
- (4) स्वदेशाष्टकम्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. 'हरनामामृतम्' इति कीदृशं काव्यमस्ति ?

- (1) महाकाव्यम्
- (2) खण्डकाव्यम्
- (3) चम्पूकाव्यम्
- (4) गद्यकाव्यम्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. 'वैचित्र्यलहरी' इति काव्यस्य रचयितास्ति -

- (1) मधुसूदनओझाः
- (2) नवलकिशोरकांकरः
- (3) विद्याधरशास्त्री
- (4) हरिशास्त्री दाधीचः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. 'नृसिंहमायाशतकम्' 'गोपालगीता' चेति ग्रन्थ द्वयं रचितवान् -

- (1) हरिशास्त्री दाधीचः
- (2) हरिद्विजः
- (3) भट्टमथुरानाथशास्त्री
- (4) नवलकिशोरकांकरः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. 'दशकण्ठवधम्' इति चम्पूकाव्यं प्रणीतम् -

- (1) पण्डितगणेशरामशर्मणा
- (2) म.म. दुर्गाप्रसादद्विवेदिना
- (3) भट्टमथुरानाथशास्त्रिणा
- (4) पण्डितनित्यानन्दशास्त्रिणा
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. "श्रीरामचरिताब्धिरत्नम्" इति महाकाव्यं केन विरचितम् ?

- (1) आशुकिविना नित्यानन्दशास्त्रिणा
- (2) पण्डित नवलकिशोरकाङ्करेण
- (3) पण्डित विद्याधरशास्त्रिणा
- (4) डॉ. ब्रह्मानन्दशर्मणा
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. समुचितं मेलयत -

- | | |
|----------------|------------------------------|
| क. आदर्शरमणी | i. पण्डित नित्यानन्दशास्त्री |
| ख. हनुमद्दूतम् | ii. विद्याधरशास्त्री |
| ग. हरनामामृतम् | iii. भट्ट मथुरानाथशास्त्री |
| घ. साकेतसंगरम् | iv. पण्डित श्रीरामदवेः |



- | | | | |
|------------------------|-----|-----|----|
| क | ख | ग | घ |
| (1) iii | ii | iv | i |
| (2) iv | iii | ii | i |
| (3) iii | i | ii | iv |
| (4) iv | ii | iii | i |
| (5) अनुत्तरितः प्रश्नः | | | |

107. निम्नलिखितेषु श्रीरामदवे-रचितं नास्ति -

- (1) भृत्याभरणम्
- (2) कुरसिका
- (3) मूकीभूतो वसन्तः
- (4) शक्ति गीताञ्जलिः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. पं. विश्वेश्वरनाथ-रेऊः 'भारतधर्ममहामण्डल' द्वारा केन उपाधिना सम्मानितः कृतः ?

- (1) विद्यालंकारेण
- (2) विद्यावाचस्पत्या
- (3) विद्यानिधिना
- (4) राजपण्डितेन
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. वासुदेवचरितकाव्ये राजस्थानसंस्कृत-अकादम्या प्रथममाघ-पुरस्कारः कस्मै प्रदत्तः ?

- (1) पण्डित मधुसूदन ओझावर्याय
- (2) पण्डित हरिशास्त्रि-दाधीचाय
- (3) पण्डित जगदीशचन्द्राचार्याय
- (4) पण्डित नवलकिशोरकांकराय
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. नवरत्नोपाह्वस्य गिरिधरशर्मणः कृतिरस्ति -

- (1) अमरसूक्तिसुधाकरः
- (2) संगीतलहरी
- (3) विरहिणी
- (4) मन्दाकिनीमाधुरी
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. पं. गिरिधरव्यासशास्त्रिणा महाकविकालिदासस्य यस्याः रचनायाः मेवाडीभाषायामनुवादः न कृतः, सा अस्ति ?

- (1) कुमारसंभवम्
- (2) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
- (3) मेघदूतम्
- (4) मालविकाग्निमित्रम्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. अधोलिखितेषु किं नाम अष्टकं काव्यं गिरिधरशर्म-नवरत्नस्य न वर्तते ?

- (1) स्वदेशाष्टकम् (2) श्रीगङ्गाष्टकम्
- (3) बालकृष्णाष्टकम् (4) नन्दबालाष्टकम्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. कविनन्ददासस्य 'भ्रमरगीतस्य' पं. गिरिधरशर्म-नवरत्नकृतः संस्कृतानुवादोऽस्ति -

- (1) श्रीभक्तामरम्
- (2) प्रेमपयोधिः
- (3) करुणानिधिः
- (4) अमरसूक्तिसुधाकरः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. पं. गणेशरामशर्मणो रचना नास्ति -

- (1) मूढचिकित्सा
- (2) जीवतोऽपि प्रेतभोजनम्
- (3) रसकपूरम्
- (4) मामकीनो जीवनसंघर्षः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. अखिलभारतीयप्रौढसंस्कृतगद्यलेखनप्रतियोगितायां जयपुरद्वारा पं. नवलकिशोरकांकरः कस्य ग्रन्थस्य कृते 'गद्यसम्राट्' इति उपाधिना सम्मानितः ?

- (1) प्रबन्धमकरन्दस्य कृते
- (2) भ्रातृस्नेहस्य कृते
- (3) राष्ट्रवेदस्य कृते
- (4) यात्राविलासस्य कृते
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. समुचितं मेलनं नास्ति -

- (1) कारुण्यकादम्बिनी - श्रीरामदवेः
- (2) गङ्गोदयकाव्यम् - डॉ. ब्रह्मानन्दशर्मा
- (3) नागरतन्त्रम् - जगदीशचन्द्र आचार्यः
- (4) पुण्यश्रीचरितम् - नित्यानन्दशास्त्री
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. समुचितं मेलनमस्ति -

- (1) हरिद्विजव्यासः - अमरभारती
- (2) विद्याधर शास्त्री - विश्वमानवीयम्
- (3) गिरिधरव्यासशास्त्री - सामवतम्
- (4) गणेशरामशर्मा - कामधेनुशतकम्
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. यः 1951 विक्रम संवत् तमे वर्षे महाराजमाधवसिंहेन प्रधानपण्डितः नियुक्तः । तेन सह इंग्लैण्ड देशमपि गतः, स आसीत् -

- (1) पण्डितो मधुसूदन - ओझाः
- (2) विद्याधरशास्त्री
- (3) नवलकिशोरकांकरः
- (4) भट्टमथुरानाथशास्त्री
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. डॉ. ब्रह्मानन्दशर्मणः कृतिः नास्ति -

- (1) वस्त्वलंकारदर्शनम्
- (2) अभिनवरसमीमांसा
- (3) ब्रह्मविज्ञानम्
- (4) काव्यसत्यालोकः
- (5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. 'नृताङ्गहारसम्पन्ना रसभावक्रियात्मिका' इत्यनेन का नाट्यवृत्तिर्लक्षिता ?

- (1) भारती (2) सात्वती
(3) आरभटी (4) कैशिकी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. अत्रासङ्गतं युग्मं चिनुत -

- (1) पाठ्यम् - नाट्यवेदात्
(2) गीतम् - सामभ्यः
(3) अभिनयान् - यजुर्वेदात्
(4) रसान् - आथर्वणात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. 'मत्तवारणी' नाट्यशास्त्रानुसारं कुत्र कर्तव्या ?

- (1) रङ्गपीठस्य दक्षिणे (2) रङ्गपीठस्य मध्ये
(3) रङ्गपीठस्य पार्श्वे (4) रङ्गमण्डपस्य उत्तरे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. नाट्यशास्त्रानुसारं समुचितं मेलनं कुरुत -

- क. विकृष्टः i. कनीयः
ख. त्र्यस्रः ii. मध्यमः
ग. चतुरस्रः iii. दण्डः
घ. चतुर्हस्तः iv. ज्येष्ठः
क ख ग घ

- (1) iv i ii iii
(2) ii iii iv i
(3) i ii iii iv
(4) iii iv i ii
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. "योऽयं भगवता सम्यक् ग्रथितो वेदसम्मितः" भरतेन अत्र "वेदसम्मितः" इति पदेन कः कथितः ?

- (1) ऋग्वेदः (2) सामवेदः
(3) नाट्यवेदः (4) धनुर्वेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. नाट्यशास्त्रकारमते सूत्रभाष्ययोः विस्तरेण उपदिष्टानाम् अर्थानां समासेन यः निबन्धो भवति स उच्यते -

- (1) उपचारः (2) भावः
(3) आकरः (4) संग्रहः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. एषु किं संगतं नास्ति ?

- (1) अभिनयाः - चत्वारः
(2) वृत्तयः - पञ्च
(3) स्वराः - सप्त
(4) धर्मी - द्विविधः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. नाट्यशास्त्रानुसारं रस-तत्सम्बद्धवर्णयोः समुचितं युग्मं चिनुत -

- (1) करुणः - श्यामः (2) हास्यः - कपोतः
(3) बीभत्सः - कृष्णः (4) अद्भुतः - पीतः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. तत्राधिकारिकं वस्तु भवति दशरूपकानुसारम्

- (1) मुख्यम् (2) अङ्गम्
(3) परम् (4) प्रासंगिकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. तदप्राप्तौ व्यापारोऽतित्वरान्वितः भवति -

- (1) आरम्भः (2) प्रयत्नः
(3) नियताप्तिः (4) फलागमः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. नाट्यशास्त्रानुसारं रङ्गपीठं कति हस्तप्रमाणं कर्तव्यम् ?

- (1) अष्टहस्तम् (2) सप्तहस्तम्
(3) पञ्चहस्तम् (4) त्रिहस्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. दशरूपकानुसारं यथोचितं योजयत -

- क. बीजन्यासः i. विलोभनम्
ख. गुणाख्यानम् ii. समाधानम्
ग. बीजागमः iii. करणम्
घ. प्रकृतारम्भः iv. उपक्षेपः

- क ख ग घ
(1) i iv ii iii
(2) iv ii i iii
(3) iv i ii iii
(4) ii iv i ii
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. दशरूपकमतेन सन्ध्यङ्गानां षट्सु प्रयोजनेषु सम्मिलितं न भवति -

- (1) इष्टार्थस्य रचना
(2) गोप्यगुप्तिः
(3) प्रकाशयार्थ-प्रकाशनम्
(4) वृत्तान्त-क्षयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. भारतीवृत्तेः चतुर्षु भेदेषु न वर्तते -

- (1) प्ररोचना (2) आमुखः
(3) वीथी (4) सूचकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. रङ्गं प्रसाद्य मधुरैः श्लोकैः काव्यार्थसूचकैः कश्चित् ऋतुम् उपादाय कां वृत्तिम् आश्रयेत् ?

- (1) भारतीम् (2) सात्त्वतीम्
(3) आरभटीम् (4) कैशिकीम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. दशरूपकानुसारं समुचितं विकल्पं चिनुत -

- (1) बीजः + प्रारम्भः = प्रतिमुखसन्धिः
(2) बिन्दुः + प्रयत्नः = अवमर्शः
(3) प्रकरी + नियताप्तिः = उपसंस्कृतिः
(4) पताका + प्राप्त्याशा = गर्भसन्धिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. दशरूपककारमते धूर्तसङ्कुलं प्रकरणं भवति -

- (1) विकीर्णम् (2) उत्कीर्णम्
(3) सङ्कीर्णम् (4) प्रकीर्णम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. अत्र किं संगतं नास्ति काव्यप्रकाशसन्दर्भे ?

- (1) यशः - कालिदासादीनामिव
(2) धनम् - श्रीहर्षदिर्धावकादीनामिव
(3) अनर्थनिवारणम् - विगलितवेद्यान्तरमानन्दम्
(4) व्यवहारज्ञानम् - राजादिगतोचिताचारपरिज्ञानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. मम्मटमते कवित्वबीजरूपः संस्कारविशेषः कथ्यते -

- (1) निपुणता (2) शक्तिः
(3) प्रतिभा (4) अभ्यासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. 'परार्थं स्वसमर्पणम्' इत्यनेन काव्यप्रकाशकारः कां वृत्तिं लक्षयति ?

- (1) उपादानलक्षणम् (2) अभिधाम्
(3) लक्षणलक्षणम् (4) व्यञ्जनाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. मेदच्छेदकृशोदरं लघु भवत्युत्थानयोग्यं वपुः, सत्त्वानामुपलक्ष्यते विकृतिमच्चित्तं भयक्रोधयोः । उत्कर्षः स च धन्विनां यदिषवः सिध्यन्ति लक्ष्ये चले, मिथ्यैव व्यसनं वदन्ति मृगयामीदृग्विनोदः कुतः ॥
दशरूपकमतेन अत्र मृगयादोषस्य गुणीकरणत्वात् वीथ्यङ्गम् अस्ति -

- (1) प्ररोचना (2) त्रिगतम्
(3) छलम् (4) मृदवम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः



141. काव्यप्रकाशे 'श्रूयते समागमिष्यति तव प्रियोऽद्य प्रहरमात्रेण ।

एवमेव किमिति तिष्ठसि तत् सखि सज्जय करणीयम्' ॥

श्लोकेऽस्मिन् कस्य वैशिष्ट्यात् मम्मटेन आर्थीव्यञ्जना प्रतिपादिता ?

- (1) काकुवैशिष्ट्यात् (2) वाक्यवैशिष्ट्यात्
(3) प्रस्ताववैशिष्ट्यात् (4) वाच्यवैशिष्ट्यात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. 'स्तोकेनोन्नतिमायाति स्तोकेनायात्यधोगतिम् ।

अहो सुसदृशी वृत्तिस्तुलाकोटेः खलस्य च ॥'
- मम्मटमते अत्र कीदृशोऽलङ्कारः ?

- (1) अर्थश्लेषः (2) शब्दश्लेषः
(3) यमकम् (4) अप्रस्तुतप्रशंसा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. काव्यदोषसन्दर्भे वेणीसंहारस्य द्वितीयेऽङ्के अनेकवीरक्षये प्रवृत्ते भानुमत्या सह दुर्योधनस्य शृङ्गारवर्णने कः रसदोषो भवति ?

- (1) दीप्तिः (2) अकाण्डे प्रथनम्
(3) अकाण्डच्छेदः (4) स्वशब्दवाच्यता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. काव्यप्रकाशानुसारं संगतं युग्मं चिनुत -

- (1) भट्टलोल्लटः - अनुमाप्यानुमापक-
भावसम्बन्धः
(2) श्रीशंकुकः - भोज्य-भोजक-
भावसम्बन्धः
(3) भट्टनायकः - उत्पाद्योत्पादक-
भावसम्बन्धः
(4) अभिनवगुप्तः - व्यङ्ग्य - व्यञ्जक-
भावसम्बन्धः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. उपमानोपमेयसाधारणधर्मादीनां यत्र बिम्ब-
प्रतिबिम्बभावः सोऽलङ्कारः काव्यप्रकाशरीत्या कः ?

- (1) सन्देहः (2) दृष्टान्तः
(3) रूपकम् (4) आरोपः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. शक्त्यन्तरानन्तरिता शक्तिर्भवति -

- (1) लक्षणा (2) व्यञ्जना
(3) अभिधा (4) तात्पर्याख्या
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. साहित्यदर्पणकार-विश्वनाथमते सङ्केतितार्थबोधिका
वृत्तिः का ?

- (1) व्यञ्जना (2) लक्षणा
(3) अभिधा (4) तात्पर्या
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. विश्वनाथमते लक्षणाशब्दशक्तिः न कथ्यते -

- (1) शब्दस्यार्पिता (2) स्वाभाविकेतरा
(3) ईश्वरानुद्भाविता (4) साग्रिमाशक्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. नाटकलक्षण-विषये एषु किं संगतं नास्ति ?

- (1) पञ्चसन्धिसमन्वितम्
(2) प्रख्यातवंशो राजर्षिर्धौरोदात्तः
(3) एक एव भवेदङ्गी शृंगारो वीर एव वा
(4) शृंगारवीरशान्तानामेकोऽङ्गी रस इष्यते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. व्यक्त्युपाधिभेदप्रसंगे मम्मटरीत्या पदार्थस्य
प्राणप्रदः कः ?

- (1) गुणः (2) क्रिया
(3) जातिः (4) सञ्ज्ञा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान

कम - 100

1. रफ कार्य के लिए स्थान

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100

कम - 100